EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 का स्वागत किया, हस्तशिल्प के लिए नए विकास पथ की उम्मीद की

यूपी निर्यात संवर्धन नीति हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देगी

दिल्ली/एनसीआर, 03 सितंबर 2025 – हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन नीति 2025–30 का स्वागत किया , जो एक ऐसा बुनियादी ढांचा प्रदान करती है जो उत्तर प्रदेश की हस्तशिल्प वैल्यू चेन में क्लस्टर ईकोसिस्टम को मजबूत करने, बाजार संबंधों का विस्तार करने और अनुपालन की क्षमताओं को बढ़ाने की परिषद की दीर्घकालिक दृष्टि से मेल खाती है।

हाल ही में, ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल के साथ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और उत्तर प्रदेश से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सुझावात्मक नीतिगत हस्तक्षेपों और रणनीतियों के साथ एक उन्नत, एमएसएमई-अनुकूल निर्यात नीति का अनुरोध किया। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि ईपीसीएच माननीय मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करता है और उत्तर प्रदेश के कारीगरों और निर्यातकों के विकास के लिए समन्वित कार्रवाई की आशा करता है।

यूपी की निर्यात संवर्धन नीति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ईपीसीएच अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, "वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के इस दौर में यूपी निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 हमारे निर्यातकों के लिए सही समय पर और व्यावहारिक सहयोग प्रदान करती है। उत्तर प्रदेश का भारत के हस्तशिल्प निर्यात में एक अहम योगदान है और ईपीसीएच ने हमेशा राज्य में क्लस्टर ईकोसिस्टम को नीतिगत समर्थन, बाजार विकसित करने और कारीगर-केंद्रित पहलों के माध्यम से सशक्त बनाने में योगदान दिया है। निर्यात नीति 2025-35 के साथ, हम निर्यात को बढ़ाने, कारीगरों की आय बढ़ाने और मुरादाबाद, सहारनपुर, आगरा, फिरोजाबाद और अन्य समूहों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने का एक स्पष्ट मार्ग देखते हैं।"

समर्थनकारी प्रावधानों का स्वागत करते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, "यह नीति भारत और विदेशों में मेले में भागीदारी के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता; एमआईसीई कार्यक्रमों में भागीदारी का समर्थन; आईसीडी/सीएफएस और एलसीएल शिपमेंट के माध्यम से लॉजिस्टिक्स सुविधा; ई-कॉमर्स से जुड़ने में सहायता और निर्यात ऋण बीमा (ईसीजीसी) प्रीमियम सहायता जैसी महत्वपूर्ण प्रावधानों को

प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही, इस नीति के तहत बाजार से जुड़ी सामान्य जानकारियों को जुटाने के लिए बहु/राज्य व्यापार सुविधा केंद्र (एमटीएफसी/एसटीएफसी) और एक समर्पित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) की परिकल्पना की गई है, जिससे उत्तर प्रदेश के शिल्प से जुड़े छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को कम लागत में काम करने, ज्यादा बाजार तक पहुंचने और जोखिम प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा।"

ईपीसीएच के मुख्य संयोजक श्री अवधेश अग्रवाल ने कहा कि "उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन नीति 2025-30 एक आगे बढ़ने वाला कदम है जो निर्यातकों और कारीगरों की जरूरतों को सीधे तौर पर ध्यान में रखती है। यह नीति बाजार तक आसान पहुंच के साथ बेहतर आर्थिक सहायता, क्लस्टर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने जैसे उपायों के जरिए न केवल निर्यात बढ़ाने में मदद करेगी, बल्कि राज्य भर के हजारों कारीगरों की आजीविका को भी बेहतर बनाएगी। ईपीसीएच इस नीति को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

नीति की मुख्य बातें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी कर दी गई हैं, तथापि इस मामले में अधिसूचना शीघ्र ही जारी की जाएगी।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न हस्तशिल्प क्लस्टरों में काम कर रहे लाखों कारीगरों के जादुई हाथों से बने उत्पादों- जैसे होम डेकोर, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज को वैश्विक ब्रांड बनाने की दिशा में कार्य करने वाली एक नोडल संस्थान है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा और वहीं वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश से हस्तशिल्प का निर्यात 7122.49 करोड़ रुपये रहा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810679868

EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH Welcomes U.P. Export Promotion Policy 2025–30, Sees New Growth Path for Handicraft

U.P. Export Promotion Policy to Boost Handicraft Exports

Delhi/NCR, 03rd September 2025 – Export Promotion Council for Handicrafts welcomes the Uttar Pradesh Export Promotion Policy 2025–30 which provides a facilitative framework that dovetails with Council's long-term vision of strengthening handicrafts cluster ecosystems, expanding market linkages and enhancing compliance capabilities across Uttar Pradesh's handicraft value chain.

Recently, Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH met Shri Yogi Adityanath, Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh alongwith Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener, EPCH and requested for an enhanced, MSME-friendly export policy with suggestive policy interventions and strategies to boost exports from Uttar Pradesh. EPCH expresses gratitude to Hon'ble Chief Minister for his vision & support and looks forward to coordinated action to deliver growth for Uttar Pradesh's artisans and exporters said Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH.

Speaking on the significance of the policy Dr. Neeraj Khanna, Chairman-EPCH, said that "In a period of global trade volatility, the U.P. Export Promotion Policy 2025–30 provides a timely and practical support for our exporters. Uttar Pradesh is a major contributor to India's handicrafts exports and EPCH has consistently supported the State to strengthen cluster ecosystems through policy advocacy, market development and artisan-centric initiatives. With the export policy 2025–35, we see a clear pathway to scale exports, enhance artisan incomes and make clusters like Moradabad, Saharanpur, Agra, Firozabad and others even more competitive."

Welcoming the enabling provisions Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor–EPCH and Chairman-IEML shared that "The policy introduces critical measures such as additional financial assistance towards fair participation both in India and abroad; support of MICE participation initiatives; logistics facilitation via ICD/CFS and LCL shipments; e-commerce onboarding assistance and export credit insurance (ECGC) premium support. Additionally, the policy further envisages market-intelligence initiatives, Multi/State Trade Facilitation Centres (MTFC/STFC) to provide common services, and a dedicated Project Management Unit (PMU) for focused implementation which will significantly improve cost efficiency, market reach, and risk management for MSMEs across Uttar Pradesh's craft clusters".

Shri Avdesh Agarwal, Chief Convener, EPCH said that “The U.P. Export Promotion Policy 2025–30 is a progressive step that directly addresses the needs of exporters and artisans. By facilitating easier market access with enhanced financial support, strengthening cluster infrastructure and encouraging innovation, the policy will not only help increase exports but also uplift the livelihoods of thousands of craftspersons across the State. EPCH is committed to working closely with the Government to translate this policy vision into result oriented for the handicraft sector”.

The highlights of the policy are issued by the Govt. Of UP, however the notification in the matter will be issued shortly.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million), The exports of handicrafts from Uttar Pradesh during 2024-25 was Rs. 7122.49 crores informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:
Shri. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: Hindi, English version